KGS IAS

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

CURRENT AFFAIRS DISCUSSION

Questions for Practice

In the present times, the Chief Election Commissioner is appointed by the president on the recommendation of a selection committee. Who among the following are members of the Selection Committee?

1. Prime Minister

2. Head of Indian National Congress

3. Union Cabinet Minister

Code:

a. Only one

b. Only two

c. All three

d. None

वर्तमान समय में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। निम्नलिखित में से कौन चयन समिति के सदस्य हैं?

1. प्रधान मंत्री

2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख

3. केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

कोड:

एक। केवल एक

बी। सिर्फ दो

सी। सभी तीन

डी। कोई नहीं

Questions for Practice

Consider the following statements regarding AFSPA

1. **If reasonable suspicion exists, the army can also arrest a person without a warrant.**
2. **A disturbed area can be declared only by the Union govt as per AFSPA.**
3. **Armed forces have the authority to prohibit a gathering of five or more persons in an area under AFSPA**

How many statements given above is/are correct?

a. Only one

b. Only two

c. All three

d. None

AFSPA के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यदि उचित संदेह मौजूद है, तो सेना किसी व्यक्ति को बिना वारंट के भी गिरफ्तार कर सकती है।
2. **AFSPA** के अनुसार अशांत क्षेत्र केवल केंद्र सरकार द्वारा ही घोषित किया जा सकता है।
3. सशस्त्र बलों को **AFSPA** के तहत किसी क्षेत्र में पांच या अधिक व्यक्तियों के जमा होने पर रोक लगाने का अधिकार है

ऊपर दिए गए कितने कथन सही हैं/हैं?

एक। केवल एक

बी। सिर्फ दो

सी। सभी तीन

डी। कोई नहीं

Questions for Practice

Consider the following statements with respect to International Court of Justice

1. It is a specialized agency of the United Nation

2. In the ICJ, a person alleged of war crimes can be prosecuted

3. It was established in the post cold war era.

How many statements given above is/are correct?

a. Only one

b. Only two

c. All three

d. None

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है

2. आईसीजे में युद्ध अपराध के आरोपी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया जा सकता है

3. इसकी स्थापना शीत युद्ध के बाद के युग में की गई थी।

ऊपर दिए गए कितने कथन सही हैं/हैं?

एक। केवल एक

बी। सिर्फ दो

सी। सभी तीन

डी। कोई नहीं

Questions for Practice

Windsor framework is an agreement between:

a. India and Germany

b. Germany and UK

c. European Union and UK

d. European Union and India

विंडसर फ्रेमवर्क किसके बीच एक समझौता है:

a) भारत और जर्मनी

b) जर्मनी और ब्रिटेन

c) यूरोपीय संघ और ब्रिटेन

d) यूरोपीय संघ और भारत

Questions for Practice

Recently a species called Dinoflagellate algae has been spotted in

a. Chilika lake

b. Kumbalgani

c. North western Himalayas

d. Bay of Bengal

हाल ही में डिनोफ्लैगलेट शैवाल नामक प्रजाति को देखा गया है

a) चिल्का झील

b) कुम्बलगनी

c) उत्तर पश्चिमी हिमालय

d) बंगाल की खाड़ी

Questions for Practice

How many of the following pairs are correctly matched?

1. Mount Merapi - Japan

2. Aleppo - Syria

3. Sanliurfa - Turkey

4. Odessa - Ukraine

Code

a. Only one

b. Only two

c. Only three

d. All four

निम्नलिखित में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

1. माउंट मेरापी - जापान → Indonesia

2. अलेप्पो - सीरिया

3. सानलिउर्फा - तुर्की

4. ओडेसा - यूक्रेन

कोड

एक। केवल एक

बी। सिर्फ दो

सी। केवल तीन

डी। सभी चार

❖ वैश्विक जलवायु रिपोर्ट 2022 की स्थिति

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) 1993 से वैश्विक जलवायु स्थिति रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है
- रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले तीन वर्षों में ला नीना घटना के ठंडे प्रभाव के बावजूद, वर्ष 2015-2022 रिकॉर्ड पर आठ सबसे गर्म वर्ष थे।
- 2022 5वां या 6वां सबसे गर्म वर्ष था, वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के औसत से 1.15 डिग्री सेल्सियस अधिक था।
- वैश्विक स्तर पर कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) की सांद्रता 415.7 भाग प्रति मिलियन या पूर्व-औद्योगिक (1750) के स्तर का 149% तक पहुंच गई, जबकि मीथेन 262% और नाइट्रस ऑक्साइड 124% तक पहुंच गई।
- अक्टूबर 2021 और अक्टूबर 2022 के बीच ग्लेशियरों की मोटाई में औसतन 1.3 मीटर से अधिक की कमी देखी गई - जो पिछले दशक के औसत से कहीं अधिक बड़ी हानि है।

❖ State of Global Climate Report 2022

- The World Meteorological Organization (WMO) has been publishing the State of the Global Climate report since 1993
- The report shows that the years 2015–2022 were the eight warmest years on record, despite the cooling impact of a La Niña event for the past three years.
- 2022 was the 5th or 6th warmest year, with a global mean temperature 1.15°C above the 1850–1900 average
- The concentration of carbon dioxide (CO_2) reached 415.7 parts per million globally, or 149% of the pre-industrial (1750) level, while methane reached 262% and nitrous oxide hit 124%.
- The glaciers saw an average thickness loss of more than 1.3 metres between October 2021 and October 2022 — a loss much larger than the average over the last decade.

❖ मोज़ाम्बिक में बुज़ी ब्रिज

- भारत के विदेश मंत्री ने मोज़ाम्बिक में बुज़ी नदी पर 717 मीटर लंबे पुल का भी वस्तुतः उद्घाटन किया, जो भारत सरकार की रियायती ऋण सुविधा के तहत मेसर्स एफ़कॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा बनाई जा रही 132 किमी लंबी सड़क का हिस्सा है।

❖ Buzi Bridge in Mozambique

- External Affairs Minister of India also virtually inaugurated a 717 meter-long bridge over River Buzi in Mozambique that forms a part of the 132 km long road being constructed by M/s Afcons Infrastructure Ltd. under the Government of India's concessional Line of Credit.

Tanzania
Malawi
Zambia
Zimbabwe
Mozambique
Botswana
South Africa
MAPUTO
Swaziland
Tanzania
Malawi
Zambia
Zimbabwe
South Africa

TANZANIA
Lake Malawi
ZAMBIA
MALAWI
Luno
Nacala
Nampula
Mount Namuli 2419
MOZAMBIQUE
Zambezi
ZIMBABWE
Chimoio
Mt. Binga 2436
Beira
Mozambique Channel
Save
Limpopo
SOUTH AFRICA
Maputo

❖ उत्तरमेरुर शिलालेख

- उत्तरामेरूर में सदियों से चले आ रहे कई शिलालेख हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध - जिसका उल्लेख PM मोदी ने किया है - परांतका प्रथम Parantaka I (907-953 AD) के शासनकाल का है।
- ये गाँव के स्वशासन का विस्तृत विवरण प्रदान करते हैं और इतिहासकारों और राजनीतिक नेताओं द्वारा इन्हें भारत के लोकतांत्रिक कामकाज के इतिहास के प्रमाण के रूप में उद्धृत किया गया है।
- **उत्तरमेरुर कहाँ है ?:** उत्तरमेरूर वर्तमान कांचीपुरम जिले में स्थित है, जो चेन्नई से लगभग 90 किमी दक्षिण पूर्व में है
- आज, यह एक छोटा शहर है और 2011 की जनगणना के अनुसार इसकी आबादी लगभग 25,000 थी। यह पल्लव और चोल शासन के दौरान निर्मित अपने ऐतिहासिक मंदिरों के लिए जाना जाता है।
- **शिलालेख क्या कहता है?**
- शिलालेख स्थानीय सभा , यानी ग्राम सभा के कामकाज का विवरण देता है।
- सभा विशेष रूप से ब्राह्मणों की एक सभा थी और इसमें विभिन्न कार्यों के लिए विशेष समितियाँ होती थीं।

- उत्तरमेरुर शिलालेख में विवरण दिया गया है कि सदस्यों का चयन कैसे किया गया, आवश्यक योग्यताएं, उनकी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, और यहां तक कि उन परिस्थितियों में भी जिनमें उन्हें हटाया जा सकता था।
- इसके अलावा, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, शिलालेख एक संविधान की तरह है - यह सभा के सदस्यों की जिम्मेदारियों के साथ-साथ इन सदस्यों के अधिकार की सीमाओं दोनों का वर्णन करता है।
- यदि कानून का शासन (व्यक्तिगत आदेश द्वारा शासन के बजाय) लोकतंत्र का एक अनिवार्य घटक है, तो उत्तरमेरूर शिलालेख सरकार की एक प्रणाली का वर्णन करता है जो इसका पालन करती है।

❖ Uttaramerur Inscription

- Uttaramerur has multiple inscriptions spanning centuries, the most famous one – being referred to by Modi – is from the reign of Parantaka I (907-953 AD).
- These provide a detailed description of the village's self-governance and have been cited by historians and political leaders alike as evidence of India's history of democratic functioning.
- Where is Uttaramerur?: Uttaramerur lies in present-day Kanchipuram district, approximately 90 km southeast of Chennai
- Today, it is a small town and had a population of roughly 25,000 in the census of 2011. It is known for its historic temples built during Pallava and Chola rule.
- What does the inscription say?
- The inscription gives details of the functioning of the local sabha, i.e. the village assembly.

- A sabha was an assembly exclusively of brahmans and had specialised committees tasked with different things.
- The Uttaramerur inscription details how members were selected, the required qualifications, their roles and responsibilities, and even the circumstances in which they could be removed.
- Furthermore, for all intents and purposes, the inscription is like a constitution – it describes both the responsibilities of members of the sabha as well as the limitations to the authority of these members.
- If the rule of law (rather than rule by personal diktat) is an essential component of a democracy, the Uttaramerur inscription describes a system of government which follows just that.t

❖ अमेरिका और फिलीपींस के बीच बालिकातन अभ्यास

- संयुक्त राज्य अमेरिका और फिलीपींस ने अपना अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है, जिसमें दक्षिण चीन सागर में डूबे जहाज पर लाइव-फायर अभ्यास भी शामिल होगा।
- बालिकतन नामक वार्षिक कार्यक्रम में 17,000 से अधिक सैनिक भाग ले रहे हैं, जिसमें लगभग 12,200 अमेरिकी सैनिक, फिलीपींस सशस्त्र बलों (एएफपी) के 5,400 सदस्य और साथ ही ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- तागालोग में बालिकातन का मतलब 'कंधे से कंधा' होता है।

❖ Balikatan Drills between the US and the Philippines

- The United States and the Philippines have begun their largest-ever military drills, which will include a live-fire exercise on a sunken ship in the South China Sea.
- More than 17,000 soldiers are taking part in the annual event, known as Balikatan, with about 12,200 American troops, 5,400 members of the Philippines armed forces (AFP) as well as representatives from other countries, including Australia.
- Balikatan means ‘shoulder to shoulder’ in Tagalog.

CHINA
TAIWA
Hong Kong
Hanoi
LAOS
Hainan
Paracel Islands
Scarborough Shoal
THAILAND
VIETNAM
Manila
CAMBODIA
Spratly Islands
PHILIPPINES
Ho Chi Minh City
SOUTH CHINA SEA
Kuala Lumpur
MALAYSIA
BRUNEI
SINGAPORE
INDONESIA
ina and Taiwan
Malaysia
Vietnam
Brunei
Philippines

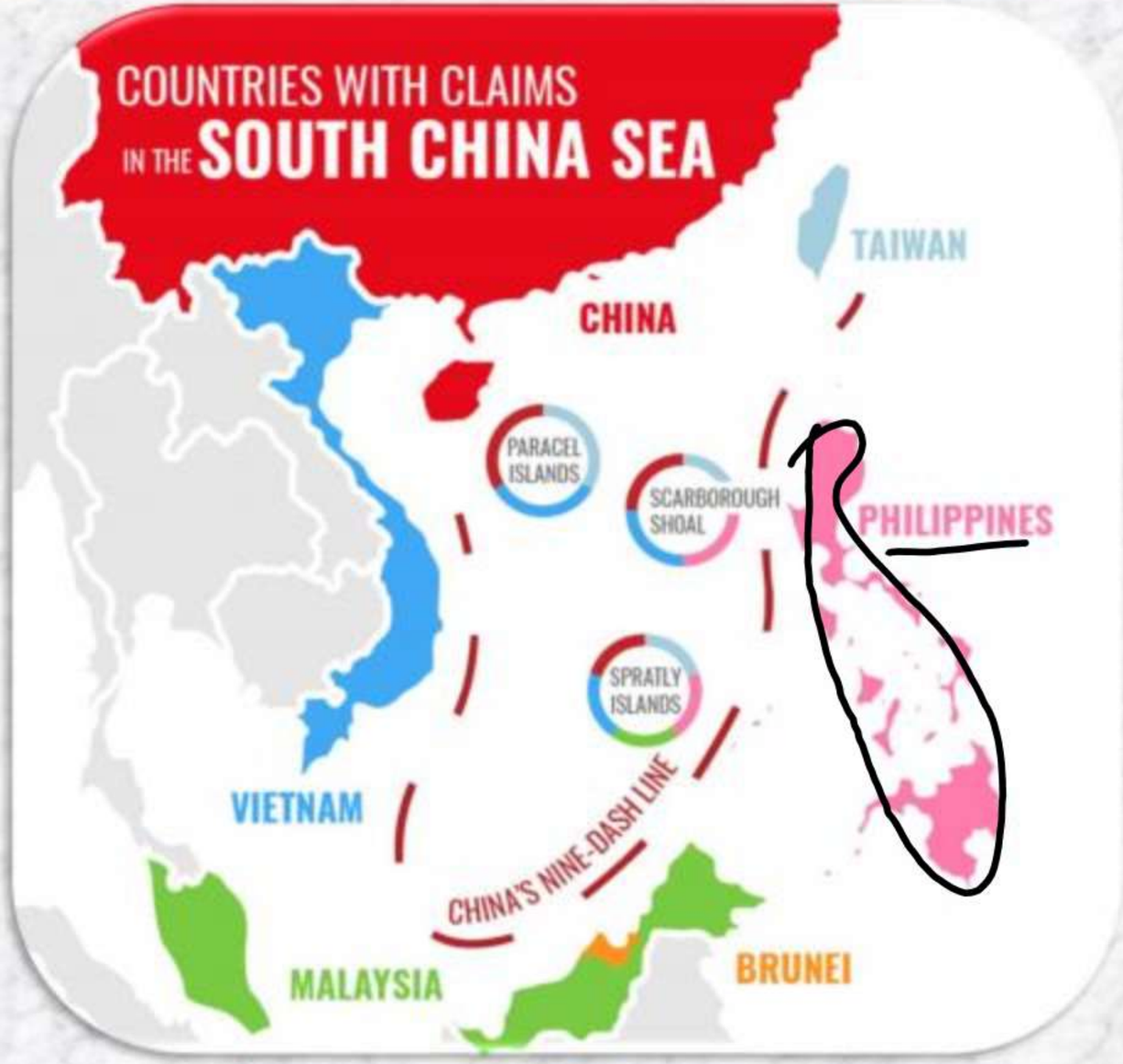
COUNTRIES WITH CLAIMS
IN THE SOUTH CHINA SEA
TAIWAN
CHINA
PARACEL ISLANDS
SCARBOROUGH SHOAL
PHILIPPINES
SPRATLY ISLANDS
VIETNAM
CHINA'S NINE-DASH LINE
MALAYSIA
BRUNEI

❖ रैकून स्टीलर

❖ रैकून इन्फोस्टीलर (AKA रेसीलर), पहली बार अप्रैल 2019 में देखा गया, डार्क वेब मंचों पर बेचा जाने वाला एक सरल लेकिन लोकप्रिय, प्रभावी और सस्ता मैलवेयर-ए-ए-सर्विस (MaS) है।

- रैकून का पेलोड 32-बिट और 64-बिट विंडोज-आधारित सिस्टम को संक्रमित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- रैकून ब्राउज़र ऑटोफ़िल पासवर्ड, इतिहास और कुकीज़, क्रेडिट कार्ड, उपयोगकर्ता नाम, पासवर्ड, क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट और अन्य संवेदनशील डेटा को लक्षित करता है।
- 2022 की शुरुआत में, रैकोन के अनुरक्षकों ने अपने सदस्यों पर यूक्रेन युद्ध के प्रभाव के कारण अस्थायी रूप से परिचालन बंद कर दिया।
- हालाँकि, जून 2022 में, रैकोन एक अद्यतन संस्करण के साथ लौटा, जिसमें उन्नत बुनियादी ढाँचा और पूरी तरह से पुनर्निर्मित पेलोड शामिल था।

❖ Raccoon Stealer

- Raccoon Infostealer (AKA Racealer), first observed in April 2019, is a simple but popular, effective, and inexpensive Malware-as-a-Service (MaaS) sold on Dark Web forums.
- Raccoon's payload is designed to infect 32-bit and 64-bit systems Windows-based systems.
- Raccoon stealer targets browser autofill passwords, history, and cookies, credit cards, usernames, passwords, cryptocurrency wallets, and other sensitive data.
- In early 2022, Raccoon's maintainers shut down operations temporarily due to the impact of the Ukraine war on its members.
- However, in June 2022, Raccoon returned with an updated version, including upgraded infrastructure and a completely rebuilt payload.

❖ जल निकाय: पहली जनगणना रिपोर्ट

- जल शक्ति मंत्रालय ने भारत की पहली जल निकाय जनगणना की रिपोर्ट जारी कर दी है
- यह देश में तालाबों, टैंकों, झीलों और जलाशयों का एक व्यापक डेटा बेस है।
- जनगणना 2018-19 में आयोजित की गई थी, और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2.4 मिलियन से अधिक जल निकायों की गणना की गई थी।
- रिपोर्ट के अनुसार, देश में 24,24,540 जल निकायों की गणना की गई है, जिनमें से 97.1% (23,55,055) ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और केवल 2.9% (69,485) शहरी क्षेत्रों में हैं।
- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक तालाब और जलाशय हैं, जबकि आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक टैंक हैं, तमिलनाडु में सबसे अधिक झीलें हैं और महाराष्ट्र जल संरक्षण योजना के लिए अग्रणी राज्य है।
- जल निकायों का एक बड़ा हिस्सा यानी, 83.7% (20,30,040) उपयोग में हैं जबकि शेष 16.3% (3,94,500) सूखने, निर्माण, गाद जमा होने, मरम्मत से परे नष्ट होने, लवणता और अन्य कारणों से उपयोग में नहीं हैं।

- अधिकांश जल निकायों का उपयोग मछली पालन में किया जाता है, इसके बाद सिंचाई, भूजल पुनर्भरण और घरेलू/पीने के उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
- 55.2% (13,38,735) जल निकायों का स्वामित्व निजी संस्थाओं के पास है जबकि 44.8% (10,85,805) जल निकाय सार्वजनिक स्वामित्व के क्षेत्र में हैं।
- सभी सार्वजनिक स्वामित्व वाले जल निकायों में से, अधिकतम जल निकायों का स्वामित्व पंचायतों के पास है, इसके बाद राज्य सिंचाई/राज्य डब्ल्यूआरडी का स्थान है
- सूचीबद्ध जल निकायों में से 78% (18,90,463) मानव निर्मित हैं जबकि शेष 22% (5,34,077) प्राकृतिक जल निकाय हैं।

❖ Water Bodies: First Census Report

- The Ministry of Jal Shakti has released the report of India's first water bodies census
- It is a comprehensive data base of ponds, tanks, lakes, and reservoirs in the country.
- The census was conducted in 2018-19, and enumerated more than 2.4 million water bodies across all states and Union Territories.
- As per the report, 24,24,540 water bodies have been enumerated in the country, out of which 97.1% (23,55,055) are in rural areas and only 2.9% (69,485) are in urban areas.
- West Bengal has highest number of ponds & reservoirs, whereas Andhra Pradesh has highest number of tanks, Tamil Nadu has highest number of lakes and Maharashtra is the leading state for water conservation scheme

- A major proportion of water bodies i.e., 83.7% (20,30,040) are in use whereas remaining 16.3% (3,94,500) are not in use on account of drying up, construction, siltation, destroyed beyond repair, salinity and other reasons
- Most of the water bodies are used in pisciculture, followed by irrigation, ground water recharge and domestic/drinking purpose.
- 55.2% (13,38,735) of water bodies are owned by private entities whereas 44.8% (10,85,805) of water bodies are in the domain of public ownership.
- Out of all public owned water bodies, maximum water bodies are owned by Panchayats, followed by State Irrigation /State WRD
- 78% (18,90,463) of enumerated water bodies are man-made whereas the remaining 22% (5,34,077) are natural water bodies.

❖ मोरेल मशरूम

- यह दुनिया भर में अपनी मांसल बनावट, मजबूत स्वाद और उम्र बढ़ने का कारण बनने वाले मुक्त कणों को दूर रखने के लिए जाना जाता है
- ये हिमालय की तलहटी में पाए जाते हैं, जिन्हें " गुच्ची " भी कहा जाता है।
- मशरूम की व्यावसायिक खेती नहीं की जा सकती है और इसे तापमान वाले क्षेत्रों और हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल और जम्मू और कश्मीर के तलहटी क्षेत्रों में शंकुधारी जंगलों में उगाया जा सकता है।
- और ग्रामीणों को इन मशरूमों को पर्याप्त मात्रा में इकट्ठा करने, उन्हें सुखाने और बाजार में लाने में महीनों लग जाते हैं।

❖ Morel Mushroom

- It is known worldwide for its meaty texture, robust flavor and to ward off free radicals that cause ageing
- They are found on the foothills of the Himalayas, also known as “gucchi”
- The mushrooms cannot be cultivated commercially and grow in conifer forests across temperature regions, and the foothills in Himachal Pradesh, Uttaranchal, and Jammu and Kashmir.
- And it takes months for villagers to collect enough of these mushrooms, dry them and bring them to the market.

❖ तमिलनाडु की मनामदुरै मिट्टी के बर्तनों को जीआई टैग मिला

❑ इन बर्तनों को क्या विशिष्ट बनाता है?

- इन बर्तनों को बनाने के लिए नेदुनकुलम , नाथपुरक्की , सुंदरानाडप्पु , सेकलाथुर जैसे जल निकायों से एक अद्वितीय प्रकार की मिट्टी प्राप्त की जाती है ।
- इन बर्तनों को बनाते समय प्रकृति के पांच तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, सूर्य और वायु का उपयोग किया जाता है।
- मिट्टी के बर्तनों के लिए मूल सामग्री मिट्टी है, जो पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करती है। मिट्टी पानी में मिश्रित होती है, जो प्रकृति का एक अन्य तत्व है।
- इसके बाद आग में पकाकर तीसरा तत्व मिलाया जाता है।
- हवा मिट्टी के छिद्रों के माध्यम से रिसती है, जो चौथे तत्व को चिह्नित करती है। और अंत में, बर्तन या किसी संबंधित वस्तु से घिरा गुहा स्थान का प्रतिनिधित्व करता है।
- मनमदुरै सिरेमिक्स को हाल ही में एक भौगोलिक संकेत (जीआई) लेबल प्राप्त हुआ है, जो इसे एक विशिष्ट क्षेत्रीय उत्पाद के रूप में मान्यता देता है।

❖ Tamil Nadu's Manamadurai pottery gets GI tag

❑ What makes these pots unique?

- A unique type of clay is sourced from water bodies like Nedunkulam, Nathapurakki, Sundaranadappu, Seikalathur to make these pots.
- While making these pots, the five elements of nature namely earth, water, fire, sun and air are used.
- The basic material for pottery is mud, which represents the earth. Mud is mixed with water, another element of nature.
- This is followed by baking in fire, adding the third element.
- The air percolates through the pores in the clay, marking the fourth element. And finally, the cavity enclosed by the pot or any related article represents space.
- Manamadurai Ceramics recently received a Geographical Indication (GI) label, recognizing it as a distinct regional product.

❖ जीआई टैग

- भौगोलिक संकेत या जीआई उन उत्पादों पर इस्तेमाल किया जाने वाला एक संकेत है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है।
- भारत में, भौगोलिक संकेत पंजीकरण को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999 द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- अधिनियम को पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेड मार्क्स के महानियंत्रक द्वारा प्रशासित किया जाएगा - जो भौगोलिक संकेतों के रजिस्ट्रार हैं।

❑ भौगोलिक संकेत के पंजीकरण के लिए कौन आवेदन कर सकता है?

- कानून द्वारा या उसके तहत स्थापित व्यक्तियों, उत्पादकों, संगठन या प्राधिकरण का कोई भी संघ आवेदन कर सकता है
- एक अधिकृत उपयोगकर्ता के पास उस माल के संबंध में भौगोलिक संकेत के उपयोग का विशेष अधिकार होता है जिसके संबंध में वह पंजीकृत है।

- भौगोलिक संकेत का पंजीकरण 10 वर्ष की अवधि के लिए वैध होता है। इसे समय-समय पर 10-10 वर्ष की अगली अवधि के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है।

❖ GI tags

- A geographical indication or GI is a sign used on products that have a specific geographical origin and possess qualities or a reputation that are due to that origin
- In India, Geographical Indications registration is administered by the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act of 1999.
- The Act would be administered by the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks- who is the Registrar of Geographical Indications.

❑ Who can apply for the registration of a geographical indication?

- Any association of persons, producers, organisation or authority established by or under the law can apply
- An authorised user has the exclusive rights to the use of geographical indication in relation to goods in respect of which it is registered.

- **The registration of a geographical indication is valid for a period of 10 years. It can be renewed from time to time for further period of 10 years each.**

NW-3

❖ कोच्चि जल मेट्रो

- इस परियोजना से शहर में प्रदूषण और यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है और कोच्चि झील के किनारे स्थित शहरी परिवारों के लिए मुख्य भूमि पर व्यावसायिक क्षेत्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी।
- परियोजना कोच्चि और उसके आसपास अंतर्देशीय जलमार्गों का उपयोग करने का इरादा रखती है, जलमार्गों का प्रमुख हिस्सा हैं - राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू 3) - 40%, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट जल - 33%, सिंचाई के तहत मौजूदा मार्ग - 20%, अन्य अंतर्देशीय जल - 7%.
- प्रस्तावित जल मेट्रो परियोजना में दस (10) द्वीप समुदायों और 2 नावयार्डों में अड़तीस (38) घाटों को जोड़ने वाले पंद्रह (15) चिन्हित मार्ग शामिल हैं।
- इन 15 मार्गों की कुल लाइन लंबाई 76.2 लाइन किलोमीटर है।
- कोच्चि जल मेट्रो परियोजना का कुल मूल्य 819 करोड़ रुपये है और इसका बड़ा हिस्सा 85 मिलियन के दीर्घकालिक ऋण समझौते के साथ भारत-जर्मन वित्तीय सहयोग के तहत वित्तपोषित है।

❖ Kochi Water Metro

- The project is expected to reduce pollution and traffic congestions in the city and also ease access to business areas on the mainland for urban households situated along the Kochi lakeshore.
- The project is intending to use the inland waterways in and around Kochi the major share of the waterways are - National Waterways (NW3) - 40%, Cochin Port Trust Waters - 33%, existing routes under irrigation - 20%, other inland waters -7%.
- The proposed Water Metro Project comprises of fifteen (15) identified routes connecting thirty eight (38) jetties across ten (10) island communities and 2 boatyards.
- The overall length of the line lengths of these 15 routes is 76.2 line kilometres.
- The Kochi Water Metro project has a total value of 819 crores and major part of which is financed under Indo-German Financial Cooperation with a long-term loan agreement of 85 million

WEST COAST CANAL
A MAP OF INDIA'S NATIONAL WATERWAY # 3
1.5 hours
2.5 hours
2.5 hours
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
Kottapuram
PERIYAR RIVER
Udyogamandal Canal
Cepz
Champakkara Canal
Ernakulam
KOCHI
KERALA
Vaikkom
Cherthala
VEMBANAD LAKE
Vattakaayal
Alappuzha
Pamba River
ARABIAN SEA
Trikkunnapuzha
Kayamkulam Kayal
Kayamkulam
Map not to scale
Waterway Augment
Proposed terminal location
Rivers
Chavara
KOLLAM

❖ स्वामित्व योजना

- यह पंचायती राज मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है
- उद्देश्य: ग्रामीण बसे हुए ("अबादी") क्षेत्रों में संपत्ति का स्पष्ट स्वामित्व प्रदान करना
- कैसे? ड्रोन तकनीक का उपयोग करके भूमि पार्सल की मैपिंग करके और गांव के घरेलू मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करना।
- और क्या? संपत्ति मालिकों को कानूनी स्वामित्व कार्ड (संपत्ति कार्ड/स्वामित्व विलेख) जारी करना।
- इससे कैसे मदद मिलेगी? संपत्तियों के मुद्रीकरण की सुविधा और बैंक ऋण को सक्षम बनाना; संपत्ति संबंधी विवादों को कम करना; व्यापक ग्राम स्तरीय योजना, संपत्ति कर का निर्धारण,
- पंचायती राज मंत्रालय की SVAMITVA योजना ने नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के लिए ई-गवर्नेंस 2023 (गोल्ड) का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

❖ SVAMITVA Scheme

- It is a Central Sector Scheme of Ministry of Panchayati Raj
- Objective: To provide clear ownership of property in rural inhabited ("Abadi") areas
- How? By mapping of land parcels using drone technology and providing 'Record of Rights' to village household owners.
- What else? Issuance of legal ownership cards (Property cards/Title deeds) to the property owners.
- How it will help? facilitating monetisation of properties and enabling bank loan; reducing property related disputes; comprehensive village level planning, Determination of property tax,
- SVAMITVA Scheme of Ministry of Panchayati Raj won the National Award for e-Governance 2023 (Gold) for Application of Emerging Technologies for Providing Citizen Centric Services.

02
Reformed Land Governance
03
Sustainable Habitats
04
Economic Growth
01
Inclusive Society
Regulated Property Markets
Better Planning
Increase in Property Tax Collected
Socio Economic Upliftment
Towards Atmanirbhar Bharat through SVAMITVA Property Cards in Rural Areas

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING